कोटद्वार, मंगलवार
7 मई 2024
वर्षः 46
अंकः 17 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट, पीएम मोदी और अमित शाह का नाम भी शामिल

नई दिल्ली ,भाजपा ने दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, स्मृति ईरानी एवं अर्जुन राम मेघवाल, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, मध्य प्रदेश सीएम मोहन यादव, उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान सीएम भजन लाल शर्मा, हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा एवं दीया कुमारी और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नाम शामिल हैं। पार्टी ने पूर्व सांसदों हर्ष वर्धन, मीनाक्षी लेखी, विजय गोयल, प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी और गौतम गंभीर के साथ ही हाल ही में कांग्रेस छोड़कर दोबारा भाजपा में शामिल होने वाले अरविंदर सिंह लवली को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, तरुण चुग एवं दुष्यंत कुमार गौतम, राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी, राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, ओम प्रकाश धनखड़, अलका गुर्जर, मुख्तार अब्बास नकवी, मनोज तिवारी, के. अन्नामलाई, विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय को भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया गया है। दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीटों पर एक ही चरण में 25 मई को मतदान होगा।

जंगलों की आग बुझाने को अग्निशमन प्रयासों में मदद करेगी वायु सेना : मुख्य सचिव

देहरादून उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में जंगल की आग लगातार तबाही मचा रही है। लगातार जंगलों में आग लगने के सिलसिले ने कई लोगों को अपने चपेट में ले लिया है। वहीं आग की न थमने वाली घटनाओं से प्रदेश का तापमान भी बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में अब राज्य की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सोमवार को आग की लपटों को और फैलने से नियंत्रित करने और आगे इससे होने वाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से कई उपायों की घोषणा की। रतूड़ी ने राज्य भर में आग की घटनाओं के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जंगल में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि आग की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर आग बुझाने के प्रयासों में सहायता के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को बुलाया गया है। इसके अलावा प्रभावित क्षेत्रों में वर्षा को प्रेरित करने के लिए एक पायलट क्लाउड सीडिंग परियोजना को लागू करने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक दिन पहले बैठक की थी। उनके निर्देशों के पालन के लिए वन विभाग को सूचित कर दिया गया है। वन विभाग ने प्रत्येक जिले की जिम्मेदारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी है। उन्होंने कहा कि पौड़ी गढ़वाल को सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए डीएम पौड़ी को भी निर्देश दिया गया। इसके लिए डीएम पौड़ी ने भी एयरफोर्स से बात की है। भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर अब श्रीनगर से पानी ले जा रहे हैं और प्रभावित क्षेत्र पर छिड़काव कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार इस तकनीक को उत्तराखंड में लागू करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट की योजना बना रही है, जिसकी शुरुआत पौड़ी जिले से होगी।

अमेठी में कांग्रेस कार्यालय पर प्रियंका के आने से पहले हुआ बवाल, गाडियों के तोड़े शीशे

अमेठी ,उत्तर प्रदेश में अमेठी स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर बदमाशों ने उत्पात मचाया है और बाहर खड़ी गाडियों की तोड़ फोड़ कर दी है। इस दौरान गाड़ी के अंदर बैठा एक युवक घायल हो गया। कांग्रेस ने घटना को लेकर बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही मौके पर कई थानों की पुलिस एवं अधिकारी पहुंच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय के सामने अज्ञात बदमाशों ने जम कर उत्पात मचाया। इस दौरान वहां खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए।

तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस भ्रष्टाचार में पार्टनर : धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सोमवार को कशिश फंक्शन हॉल मुशीराबाद में भाजपा के सिंकदराबाद (हैदराबाद) लोकसभा सीट से प्रत्याशी जी किशन रेड्डी के पक्ष में आयोजित युवा सम्मेलन में कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस और बीआरएस भ्रष्टाचार में पार्टनर हैं। इन दोनों ही दलों ने हमेशा देश के साथ तेलंगाना को ठगने का काम किया है। मुख्यमंत्री धामी ने कार्यक्रम में मौजूद युवाओं से कहा कि सभी को लोकतंत्र के इस महायज्ञ में बढ़ चढ़कर भाग लेना है और हम सभी ने मिलकर जी किशन रेड्डी को जिताकर मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। कहा कि रेड्डी बहुत संघर्षशील और मेहनती नेता हैं। इन्होंने हमेशा जनसेवा, देशसेवा के माध्यम से पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा आज पूरे देश में मोदी की सरकार बनने की चर्चा है। अब चर्चा 400 से पार को लेकर हो रही है। आगामी 13 मई को ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोट डालने के लिए जागरूक कर मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है। कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में पूरी दुनियां से लोग देव दर्शन के लिए आते हैं। उत्तराखंड राज्य सरकार ने लैंड जिहाद पर कड़ी कार्रवाई करते हुए हजारों एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में के. कविता को बड़ा झटका, कोर्ट ने जमानत देने से किया इन्कार

नई दिल्ली ,दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। फिलहाल बीआरएस सुप्रीमो और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता 7 मई तक न्यायिक हिरासत में हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा ने उनकी जमानत वाली मांग को ठुकरा दिया।

कविता को पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था, जब वह तिहाड़ जेल में हैं। जज बावेजा ने तब उन्हें यह कहते हुए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था कि आरोपी से विस्तृत पूछताछ आवश्यक है। अब, वह दोनों एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामले में न्यायिक हिरासत में है। कविता ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य उन्हें और उनकी पार्टी को चुनाव में प्रचार करने से रोकना है।

श्री केदारनाथ भगवान की पंचमुखी चल-विग्रह मूर्ति केदारनाथ के लिए रवाना हुई

● 10 मई को प्रातः 7 बजे खुलेंगे श्री केदारनाथ धाम के कपाट

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : विश्व प्रसिद्ध 11वें ज्योर्तिगलिंग भगवान श्री केदारनाथ की चल विग्रह पंचमुखी डोली ऊं नम् शिवाय के उदघोष के साथ पंचकेदार गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से पूजा अर्चना के बाद सेना के 6 ग्रेनेडियर रेजीमेंट की बैंड के भक्तिमय धुन के साथ रावल भीमाशंकर लिंग की उपस्थिति में केदारनाथ धाम रवाना हो गयी। डोली प्रथम पड़ाव श्री विश्वनाथ मंदिर उखीमठ प्रवास को पहुंचेगी।

इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पंचमुखी डोली के दर्शन किये। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति ने दानीदाताओं के सहयोग से श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ को 10 क्विंटल से अधिक फूलों से सजाया था।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने जारी संदेश में भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के प्रस्थान के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं शुभकामनाएं दी। वहीं बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने जारी बयान में बताया कि मंदिर समिति के स्तर पर केदारनाथ में यात्रा तैयारिया चल रही है। सोमवार को डोली प्रस्थान के अवसर पर आज हजारों श्रद्धालुओं ने पंचमुखी डोली को धाम के लिए विदा किया। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के गुप्तकाशी प्रस्थान करते समय संसारी, विद्यापीठ एवं गुप्तकाशी बाजार में जगह-जगह फूलवर्षा से भव्य स्वागत हो रहा है। पंचमुखी डोली के प्रस्थान के समय जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग डा. सौरभ गहरवार सपरिवार मौजूद रहे और भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली का आशीर्वाद लिया एवं केदारनाथ धाम यात्रा की सफलता की कामना की। डोली प्रस्थान के समय श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के सदस्य निवास पोस्ती, एसडीएम अनिल शुक्ला, कार्याधिकारी आरसी तिवारी, पुजारी शिवशंकर लिंग सहित पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार नौटियाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डीएस पुष्पवान एवं यदुवीर पुष्पवान, प्रशासनिक अधिकारी रमेश नेगी, डोली प्रभारी प्रदीप सेमवाल, देवानंद गैरोला, कुलदीप धर्म्वाण, विदेश शैव आदि मौजूद रहे। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि कार्यक्रमानुसार कल मंगलवार 7 मई को भगवान केदारनाथ जी की पंचमुखी डोली श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से चलकर फाटा प्रवास करेगी। बुधवार 8 मई को गौरीकुंड तथा बृहस्पतिवार 9 मई को गौरा माता मंदिर गौरीकुंड से चलकर शाम को श्री केदारनाथ धाम पहुंचेगी। शुक्रवार 10 मई को प्रातः 7 (सात) बजे श्री केदारनाथ धाम के कपाट दर्शनार्थ खुल जायेंगे।

दारोगा की बेटी का खून से सना शव मिला

देहरादून। देहरादून के शहर कोतवाली में तैनात दारोगा की बेटी का खून से सना शव रायवाला से बरामद हुआ है। युवती के गले मे गहरे घाव के निशान हैं जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर एक युवक ने चीला नहर में कूदकर खुदकुशी है। ऐसे में मामला मृतक युवती से जोड़ा जा रहा है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सोमवार को छिद्दरवाला क्षेत्र में पड़ते तीन पानी पुलिया के नीचे एक युवती का शव बरामद हुआ था। मृतक युवती की शिनाख्त आरती डबराल पुत्री शिवप्रसाद डबराल के रूप में हुई है। शिव प्रसाद डबराल वर्तमान में शहर कोतवाली देहरादून में तैनात हैं जोकि मूल रूप से ऋषिकेश के रहने वाले हैं। जांच में घटनाक्रम में प्रकाश में आये संदिग्ध आरोपित ने भी चीला नहर में कूदकर खुदकुशी की है। युवक की पहचान शैलेन्द्र भट्ट के रूप में हुई है।

महिला आयोग ने लिया संज्ञान

रायवाला थाना क्षेत्र के तहत छिद्दरवाला देहरादून रोड पर तीन पानी पुलिया के पास संदिग्ध अवस्था में मिले युवती के शव के मामले का महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। मामले की जानकारी मिलते ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तत्काल एसओ रायवाला से फोन पर बात करते हुए प्रकरण की गंभीरता से जांच करने और सभी साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए हैं। कुसुम कंडवाल ने कहा कि क्षेत्र में इस प्रकार की घटना का होना अत्यंत चिंताजनक है। इस मामले में शीघ्र अतिशीघ्र निकटतम समस्त सीसीटीवी की जांच करते हुए घटना के अंजाम देने वाले अपराधी को जल्द से जल्द पकड़ा जाए व उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। मामले में रायवाला प्रभारी ने बताया कि सोमवार की सुबह को पुलिस को सूचना मिली की तीन पुलिया के नीचे एक युवती का शव पड़ा हुआ है।

पुंछ आतंकी हमला : सुरक्षाबलों ने जारी किए दो आतंकियों के स्केच

जम्मू ,सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में 4 मई को भारतीय वायुसेना के वाहन पर हमले के लिए जिम्मेदार दो आतंकवादियों के स्केच जारी किए। 4 मई को पुंछ के सुरनकोट के बकराबल (सनाई) इलाके में आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के दो वाहनों पर हमला किया था। जिसमें एक जवान शहीद हो गया था। अधिकारियों ने बताया, पुलिस ने पूछताछ के लिए अब तक करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है। पुंछ के अलग–अलग इलाकों में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। जीओसी 16 कोर और एडीजीपी जम्मू सहित सेना तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को हमले वाली जगह का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था।

हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे ले जाएंगे–राहुल गांधी

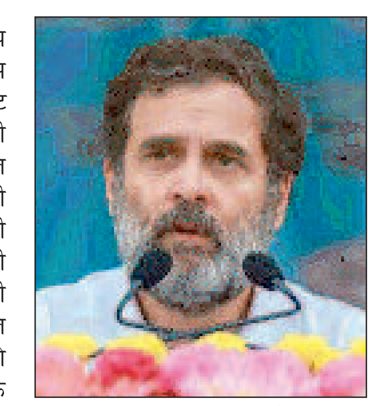

अलीराजपुर ,कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जोबट (अलीराजपुर) में कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया के समर्थन में विशाल जनसभा में शामिल हुए इसके साथ ही कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सेगांव (खरगोन) में कांग्रेस प्रत्याशी पोरलाल खरते के समर्थन में विशाल जनसभा में शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है, हिंदुस्तान के संविधान को बीजेपी और आरएसएस खत्म करना चाहते हैं, बदलना चाहते हैं, फेंक देना चाहते हैं और कांग्रेस पार्टी एवं इंडिया गठबंधन संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जो भी हिंदुस्तान के आदिवासियों को, दलितों को, पिछड़ों को मिला है वह सब संविधान की बदौलत मिला है, आपके जल, जमीन और जंगल का जो हक है वह सारा का सारा इस संविधान की बदौलत मिला है। गांधी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर, शिक्षा एवं स्वास्थ्य उसमें जो आरक्षण जो एससी, एसटी एवं ओबीसी को मिलता है वह संविधान के कारण मिलता है, भाजपा के नेताओं ने कहा है कि उसे 400 पार सीटें संविधान को बदलने के लिए चाहिए परंतु 400 छोड़िए उन्हें तो 150 सीटें भी नही मिलेंगी। इनके अलग–अलग नेता कहते हैं कि हम दलित, आदिवासी एवं पिछड़ों से आरक्षण छीन लेंगे, मैं आपसे कहना चाहता हूं आरक्षण को छीनने की बात तो छोड़िए हम तो उसकी सीमा भी 50 प्रतिशत से बढ़ा देंगे इनको जो करना है कर लें और गरीबों को, दलितों को, पिछड़ों को जितने आरक्षण की ज़रूरत है वह हम देने जा रहे हैं।

संपादकीय

मुद्दों के जंजाल में वोटर

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में लगता है इस बार मुद्दे कुछ बदले से नजर आने लगे हैं। पहले दो चरणों में धर्म की चाशनी पूरे देश को पिलाई गई लेकिन जिस प्रकार से मतदान का प्रतिशत गिरा हुआ दिखा उसने बड़े राजनीतिक दलों को भी सोचने पर विवश कर दिया। अब तक नेताओं की यह समझ में आ चुका था कि धर्म और जाति की दुहाई देकर वोट मिलना अब मुश्किल है। लिहाजा राजनीतिक मंचों से आरक्षण, मुफ्त सुविधा, बैंकों में पैसा हस्तांतरण जैसे मुद्दों को जनता के बीच रखा जा रहा है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी अभी भी अन्य मुद्दों के साथ धार्मिक बुनियाद पर चलती हुई नजर आ रही है लेकिन जिस प्रकार का रवैया आम जनता के बीच से उभर कर सामने आया है उसने कही न कहीं धर्म के मुद्दे को अन्य मुद्दों की अपेक्षा थोड़ा पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चुनाव प्रचार में अपने सार्वजनिक जीवन की भी दुहाई दे रहे हैं जिसमें वह कहते दिख रहे हैं, मोदी योगी के बच्चे तो है नही लिहाजा वह आपके बच्चों के नाम विरासत लिखना चाहते हैं। जनसभा में प्रधानमंत्री का यह बयान सीधे तौर पर जनता को भावनात्मक तौर से खुद को जोड़ने की ओर इशारा करता है। वहीं इंडिया गठबंधन की कमान संभाले सबसे आगे चल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है जिसमें एक पास कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए कोशिश कर रही है तो भाजपा और आरएसएस जनता के अधिकारों को समाप्त करने का मन बनाए बैठी है। इस सबके बीच सोशल मीडिया पर भी राजनीतिक दलों के आईटी सेल पूरी तरह से सक्रिय है जो बयानों को न केवल तोड़ मरोड़ कर पेश करने की मुहिम पर चल रहे हैं बल्कि पुरानी बातों की बुनियाद खोदकर उन्हें जनता के बीच विभिन्न प्लेटफार्म पर परोसा जा रहा है।लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा। इसे लेकर चुनाव प्रचार रविवार शाम को थम गया है। तीसरे फेज में करीब 120 महिलाओं समेत 1300 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं जिसमें 93 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। देखना अब यह है कि क्या जनता राजनीतिक मंचों से पड़ोसी जा रहे हैं बड़े मुद्दों पर वोट देते हैं या फिर स्थानीय तौर पर अपने क्षेत्र के विकास को अपने मत का आधार बनाते है।

लैंगिक हिंसा की शिकार हर तीन में एक महिला

—अमित बैजनाथ गर्ग

लैंगिक हिंसा एक वैश्विक महामारी है, जहां लगभग 27 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में कभी न कभी शारीरिक या यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं। खासकर दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी के हाथों आजीवन घरेलू हिंसा सहन करने के मामले वैश्विक औसत की तुलना में 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके लिए पितृ सत्तात्मक सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था और रूढ़िगत परंपराएं जिम्मेदार हैं, जो लैंगिक भूमिकाओं को परिभाषित करती हैं। महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध की गई हिंसा का प्रभाव भावनात्मक स्तर पर काफी गहरा होता है और इसके कारण उन्हें अपनी सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक जरूरतों में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। दुखद पहलू यह भी है कि एक इंसान अपनी पूरी क्षमता का दोहन नहीं कर पाता। हिंसा पीड़ित लड़कियां और महिलाएं अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ जाती हैं और समाज में उनकी भागीदारी पर भी प्रभाव पड़ता है।

लिंग आधारित हिंसा किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसके लिंग के कारण निर्देशित हिंसा है। वैसे तो महिला और पुरुष दोनों लिंग आधारित हिंसा का अनुभव करते हैं, लेकिन पीड़ितों में अधिकांश महिलाएं और लड़कियां होती हैं। लिंग आधारित हिंसा एक ऐसी घटना है, जो लैंगिक असमानता से गहराई से जुड़ी हुई है और सभी समाजों में सबसे प्रमुख मानवाधिकारों के उल्लंघनों में से एक है। यह मां के गर्भ से मृत्यु तक महिलाओं के पूरे जीवन चक्र में प्रकट होता है। लिंग आधारित हिंसा की कोई सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं होती तथा यह सभी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करती है।प्रत्येक लड़की और लड़के को जीवित रहने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। बचपन विशेषज्ञ प्रत्येक बच्चे के लिए समान अधिकारों की वकालत कर रहे हैं। फिर भी बचपन से शुरू होने वाला लैंगिक भेदभाव बच्चों से भी उनका बचपन छीन रहा है और उनकी संभावनाओं को सीमित कर रहा है, जिसका दुनिया की लड़कियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक लड़की को उसके अधिकारों से वंचित किए जाने, स्कूल से रोके जाने, शादी के लिए मजबूर करने और हिंसा का शिकार होने की बहुत अधिक संभावना है। अगर उसकी बात सुनी भी जाती है तो उसे कम महत्व दिया जाता है। बचपन पर यह हमला राष्ट्रों को प्रगति के लिए आवश्यक ऊर्जा और प्रतिभा से भी वंचित करता है।

एक अनुमान के अनुसार परिवर्तन की वर्तमान दर पर लैंगिक समानता हासिल करने में अभी 200 साल से अधिक का समय लगेगा। लैंगिक समानता अभी सिर्फ अमेरिका में अस्वीकार्य है। हम सभी साथ मिलकर शुरू से ही एक अधिक समान दुनिया बना सकते हैं।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, परंपरागत रूप से समाज में महिलाओं को कमजोर वर्ग के रूप में देखा जाता रहा है। वे घर और समाज दोनों जगहों पर शोषण, अपमान और भेदभाव से पीड़ित होती हैं। महिलाओं के खिलाफ भेदभाव दुनिया में हर जगह प्रचलित है। वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2023 में भारत 146 देशों में 127वें स्थान पर है। एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर तीन में से एक महिला को अपने जीवनकाल में एक बार अपने साथी के हाथों हिंसा का सामना करना पड़ता है। मतलब अनगिनत महिलाएं कई बार इस पीड़ा से गुजरती हैं।लैंगिक हिंसा एक वैश्विक महामारी है, जहां लगभग 27 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में कभी न कभी शारीरिक या यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं। खासकर दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी के हाथों आजीवन घरेलू हिंसा सहन करने के मामले वैश्विक औसत की तुलना में 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके लिए पितृ सत्तात्मक सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था और रूढ़िगत परंपराएं जिम्मेदार हैं, जो लैंगिक भूमिकाओं को परिभाषित करती हैं। महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध की गई हिंसा का प्रभाव भावनात्मक स्तर पर काफी गहरा होता है और इसके कारण उन्हें अपनी सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक जरूरतों में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। दुखद पहलू यह भी है कि एक इंसान अपनी पूरी क्षमता का दोहन नहीं कर पाता। हिंसा पीड़ित लड़कियां और महिलाएं अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ जाती हैं और समाज में उनकी भागीदारी पर भी प्रभाव पड़ता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक है। इसके चलते वैश्विक स्तर पर 15 खरब अमेरिकी डॉलर (वैश्विक जीडीपी का 2 प्रतिशत) का नुकसान उठाना पड़ता है। लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न कारणों में सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कारण हैं। मसलन, भेदभावपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कानून, मानदंड तथा व्यवहार, जो महिलाओं और लड़कियों को हाशिये पर रखते हैं और उनके अधिकारों को मान्यता प्रदान करने में विफल होते हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा को सही ठहराने के लिए अक्सर लिंग संबंधी रूढ़ियों का इस्तेमाल किया जाता है। सांस्कृतिक मानदंड अक्सर यह तय करते हैं कि पुरुष आक्रमक, नियंत्रित करने वाले और प्रभावी होते हैं, जबकि महिलाएं विनम्र, अधीन और प्रदाताओं के रूप में पुरुषों पर निर्भर करती हैं। ये मानदंड एक प्रकार के दुरुपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। वहीं पारिवारिक, सामाजिक और सांप्रदायिक संरचनाओं का पतन और परिवार के भीतर महिलाओं की बाधित भूमिका अक्सर महिलाओं तथा लड़कियों को जोखिम में डालती है। इसके निवारण के लिए मुकाबला करने वाले रास्तों–तंत्रों के जोखिम एवं सीमा को उजागर करती है। लैंगिक समानता की राह में कई न्यायिक बाधाएं भी हैं। न्याय संस्थानों और तंत्रों तक पहुंच का अभाव हिंसा और दुर्व्यवहार के लिए दंड के भय की समाप्ति की संस्कृति उत्पन्न करती है। वहीं पर्याप्त और वहनीय कानूनी सलाह और प्रतिनिधित्व का अभाव भी है। इसके अलावा पीड़ित–उत्तरजीवी और गवाह सुरक्षा तंत्र का भी पर्याप्त अभाव है। अपर्याप्त न्यायिक ढांचा, जिसमें राष्ट्रीय, पारंपरिक, प्रथागत और धार्मिक कानून शामिल हैं, जो महिलाओं–लड़कियों के साथ भेदभाव करते हैं।

मॉल संस्कृति के मझधार में हिचकोले खाता उपभोक्ता

—राजेन्द्र कुमार शर्मा

हाट से मॉल कल्चर तक के सफर को हमने एक लंबे समय में तय किया है। याद करिए वो समय जब अलग–अलग सामान के लिए हमें अलग–अलग दुकानों पर जाना पड़ता था। पंसारी की दुकान, कपड़े की दुकान, तेल के लिए कोल्हू, आटे के लिए आटा चक्की, बेकरी उत्पाद के लिए कंफेक्शनरी शॉप पर, सौंदर्य प्रसाधन के समान के लिए कॉस्मेटिक शॉप पर, बर्तनों के लिए अलग शॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के लिए अलग दुकान आदि–आदि ऐसे कितने ही उदाहरण हैं जब हम बाजार में एक दुकान से दूसरी दुकान पर अपनी जरूरत की चीजें खरीदते हुए पूरे बाजार का भ्रमण कर लेते थे। धीरे–धीरे दुकानों की जगह सुपर बाजार या सुपरमार्केट ने ली जो हमारे जमाने के जनरल स्टोर की तरह होता था, जिसमें घर की सभी छोटी–मोटी चीजें एक ही जगह पर मिल जाती थी। धीरे–धीरे ये ही सुपर बाजार ही मॉल में परिवर्तित हो गए।

मॉल कल्चर वास्तव में लोगों की मानसिकता को ध्यान में रखकर ही बाजार में लाया गया है। मॉल को पूरी तरह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाकर ही इसकी योजना की गई है। मॉल के बाहर ही खाने पीने की स्वादिष्ट गर्म, ठंडे, चटपटे व्यंजन ग्राहक को अपनी ओर आकर्षित करते है, मॉल अपने नाम के अनुसार हर छोटी चीज को बड़ा और ग्लैमर के साथ दिखाता है। यहां तक कि अपने नाम को भी, बड़े–बड़े अक्षरों में अंकित करवाता है ताकि लोग दूर से पढ़ सकें और जान सकें कि यहां आसपास कोई मॉल है। अगर आप भी किसी भी मॉल में गए हों और आपने गौर फरमाया हो तो आपको वहां बहुत सी चीजें दिखाई देती है, जो बड़ी सरलता और सहजता से आपके नजर में आ जाती है। क्योंकि ये उस मॉल की विक्रय नीति का ही एक अभिन्न अंग है, वो उनकी रचना ही ऐसे करते है कि आपको नजर आते ही आपको उसे खरीदने की इच्छा होती है।एक और महत्वपूर्ण बात जिस पर कम ही लोग गौर करते हैं, वो है मॉल में समय देखने के लिए घड़ी न होना। कोई भी मॉल में घड़ी नहीं होती है। इसका कारण है ग्राहक को समय की बंदिशों से दूर ले जाना। ताकि आप जब भी मॉल में जाएं तो आपको समय का आभास ही न हो और आप शॉपिंग करना तब तक जारी रखे जब तक आपकी जेब खाली न हो जाए। कभी अनुभव कीजिए, अगर आपको सौ रुपये का सामान लेना है तो आप मॉल में हजार रुपये खर्च करके आ जाते हैं। आप ऐसे समान भी खरीद लेते हैं जिसकी आपको जरूरत नहीं होती, पर उस पर लिखे कम मूल्यों को देखकर आप थोड़ा लालच में आ जाते हैं और ये सोचकर खरीद लेते हैं कि भविष्य में काम आएगी। अर्थात आप अपनी एक नई जरूरत भविष्य के लिए तैयार कर लेते हैं। जो आज तक आपकी जरूरी चीजों की सूची में नहीं थी।

मॉल कैसे ग्राहक को जेब से पैसा निकालते हैं और कैसे 100 रुपए की वस्तु को 200 रुपए में बेच देते हैं या आप खरीदने एक पेंट जाते हैं जबकि खरीद के 3–3 पेंट शर्ट आते हैं। इसे भी समझने की जरूरत है। कोई सामान आपको बाजार मे 400 में मिल सकता है। मॉल में उसकी कीमत 1000 दर्शाई जाएगी। साथ ही उस पर एक 50 प्रतिशत छूट का टैग लगा दिया जाएगा। इससे उसकी कीमत 500 हो जाएगी। आप छूट के इस जाल में आसानी से आ जाएंगे। यह आपको तब महसूस होगा जब आप बाजार में जाकर उसकी कीमत मालूम करेंगे। तब पता चलेगा कि जो सामान आपने छूट लेकर खरीदा है, बाजार में वह सामान बिना छूट के ज्यादा सस्ता है। इसी प्रकार एक वस्तु खरीदो तो एक फ्री पायो या तीन पेंट या शर्ट खरीदो बदले में 2 पेंट या शर्ट फ्री पायो।कुछ ऐसे टैग है कि देखकर कोई भी व्यक्ति आसानी से जाल में फंस जाए और होता भी यही, जबकि ग्राहक समझ ही नहीं पाता है कि कोई भी ब्रांड अपनी चीजें फ्री में नहीं देता और बिना मुनाफे के भी नहीं देता है। जैसे आपने एक शर्ट खरीदी, उस पर अंकित कीमत 2999 रुपए है, बाय वन गेट वन के अंतर्गत आपको एक शर्ट फ्री में दे दी गई। यानी की आपको एक शर्ट लगभग 1500 रुपए की पड़ी, जबकि बाजार में उसी शर्ट की कीमत 1000 रुपए से ज्यादा नहीं पड़ती सीधा मतलब है कि आप 2000 रुपए में दो शर्ट खरीद ही सकते थे परंतु बाय वन गेट वन के लालच में वो ही 2 शर्ट आपने 3000 रुपए में पड़ती है। मॉल के इस कल्चर से ब्रांड को मुनाफा तो होता ही है साथ ही उसकी सेल में वृद्धि होती है। क्योंकि एक शर्ट की जगह दो शर्ट खरीदी जाती हैं। इस प्रकार यह सामानों की बिक्री की एक विपणन नीति होती है जिसमें उच्च स्तरीय महंगे सामानों को सस्ते में खरीदने की लोगों की मानसिकता का लाभ उठाया जाता है।

हादसों की खूनी सड़कों पर डरावनी रिपोर्ट

—ललित गर्ग

सड़क हादसों पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की डरावनी, चिन्ताजनक एवं भयावह रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक, पिछले साल 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। हर घंटे इनमें 19 लोगों की मौत हुई। हादसों एवं लापरवाही की खूनी होती सड़कें चिन्ता का बड़ा सबब है। सड़कों की ह्यदुर्घटनाओंह्व के कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। सच यह है कि बेलगाम वाहनों एवं यातायात कानूनों एवं नियमों की अवहेलना की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं। उक्त रपट यह भी बताती है कि सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह सड़क हादसों में घायल होने वालों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सप्रेसवे हाईवे और राजमार्गों पर ओवर स्पीडिंग जानलेवा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देने का ही काम करती है, लेकिन न तो वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार हैं और न ही सरकारें एवं यातायात पुलिस। बीते वर्ष सड़क हादसों में 66 हजार से अधिक लोगों ने इसलिए जान गंवाई, क्योंकि उन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी या फिर हेलमेट नहीं लगाया था।

यह विडम्बनापूर्ण है कि हर रोज ऐसी दुर्घटनाओं और उनके भयावह नतीजों की खबरें आम होने के बावजूद बाकी वाहनों के मालिक या चालक कोई सबक नहीं लेते। सड़क पर दौड़ती गाड़ी मामूली गलती से भी न केवल दूसरों की जान ले सकती है, बल्कि खुद चालक और उसमें बैठे लोगों की जिंदगी भी खत्म हो सकती है। पर लगता है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज–मस्ती एवं शौक का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज–मस्ती है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 तक देश में दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौत की संख्या को आधा करने का लक्ष्य रखा है, जो एक उम्मीद जगाता है एवं रोशनी बन रहा है।दुनिया में सर्वाधिक तेजी से उन्नत सड़कों का जाल बिछाने में भारत अग्रणी है। लेकिन सुविधाजनक एवं उन्नत होती सड़कों पर मौत की काली छाया का मंडराना सड़क विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह दाग सरकारी रिपोर्ट में ही सामने आया है, जिसके अनुसार देश में 2023 में कुल 4,91,312 सड़क हादसे हुए, जिनमें से 1,52,997 यानी 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेसवे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,36,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 2,05,633 यानी 43.9 प्रतिशत हादसे अन्य सड़कों पर हुए। रिपोर्ट कहती है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों में एक बड़ी संख्या सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल न करने वालों की रही। सीट बेल्ट न पहनने की वजह से 16,715 लोगों की इन हादसों में मौत हो गई जिनमें से 8,384 लोग ड्राइवर थे जबकि बाकी 8,331 लोग वाहन में बैठे यात्री थे। इसके अलावा 50,029 दोपहिया सवार भी हेलमेट न पहनने की वजह से इन हादसों में अपनी जान गंवा बैठे। लगातार चौथे साल घातक सड़क दुर्घटना का सबसे अधिक युवा शिकार हुए। राज्यों में तमिलनाडु में 2022 में राष्टीय राजमार्गों पर सबसे अधिक 64,105 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जबकि सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 22,595 रही। सड़क दुर्घटनाओं का लगातार बढ़ना अनेक सवाल खड़े करता है। तभी सुप्रीम कोर्ट भी तल्ख टिप्पणी कर चुका है कि ड्राइविंग लाइसेंस किसी को मार डालने के लिए नहीं दिए जाते।

सेल्फी के लिए आए दिन युवाओं की जा रही जान

अमन भारत

वीडियो बनाने के दौरान ऐसा लगता है कि विवेक का उपयोग करने के बजाय इस तरह की भेड़चाल में शामिल हो गए लोगों के पास सही वक्त पर फैसला लेने की क्षमता भी नहीं बचती और इसी क्रम में वे किसी जानलेवा हादसे का शिकार हो जाते हैं। अपनी दिलचस्पी या फिर खुशी के लिए कुछ अलग करने का शौक सामान्य तौर पर सकारात्मक माना जाता है। मगर इस तरह के शौक में कोई अपना विवेक या सूझ–बूझ की क्षमता ही खो दे, तो यह न सिर्फ एक बेमानी चलन की भेड़चाल में शामिल होना है, बल्कि जानलेवा जोखिम को न्योता देना भी है।जब से स्मार्टफोन के साथ हर हाथ में कैमरा पहुंचा है, तब से काफी लोगों के भीतर एक विचित्र–सी मनोदशा का विकास होता देखा जा सकता है, जिसमें वे मौके–बेमौके बिना किसी मायने के अपनी तस्वीरें उतारते रहते हैं। इसका विस्तार सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करने के रूप में हुआ और हर वक्त अपनी तस्वीर या फिर वीडियो बना कर प्रसारित कर देना मानो किसी जरूरी काम की तरह देखा जाने लगा। विडंबना यह है कि इस शौक ने विवेक को जिस बुरी तरह प्रभावित किया, उसका खमियाजा केवल आपसी व्यवहारों के स्तर पर नहीं उठाना पड़ा, बल्कि इस वजह से मौत की घटनाएं भी बढ़ती गई हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि सोशल मीडिया पर रील के आकर्षण में वीडियो बनाने की कोशिश में हादसे का शिकार होकर किसी युवा की जान चली गई। ये नाहक और बिना किसी कारण के होने वाली मौतें हैं, जिनके पीछे महज विवेकशून्य होकर अपने किसी शौक को पूरा करने की भूख मुख्य वजह है। हरिद्वार में बुधवार को बीस वर्ष की एक छात्रा ने रेल की पटरी पर रील बनाने की कोशिश की और उसी समय आई ट्रेन की चपेट में आ गई। उसकी जान चली गई।

रणवीर सिंह के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, साउथ इंडस्ट्री के ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर प्रशांत वर्मा संग करेंगे राक्षस

रणवीर सिंह के पास कुछ फिल्में हैं और वह इन दिनों अधिक फिल्में साइन कर रहें हैं और अधिक स्क्रिप्ट सुन रहें हैं। अपने नए प्रोजेक्ट्स के अलावा रणवीर, दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी की खबरों और अपने वायरल डीपफेक वीडियो को लेकर भी सुर्खियों में हैं। बता दें कि ये बॉलीवुड कपल अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहें हैं। जबकि रणवीर अपने ब्रांड शूट और अन्य कार्यों में बिजी हैं। अब एक फेमस साउथ इंडस्ट्री फिल्म डायरेक्टर के साथ राक्षस नामक एक नई फिल्म साइन करने की खबर सामने आई है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रणवीर सिंह भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित एक फिल्म के लिए हनुमैन फेम प्रशांत वर्मा के साथ बातचीत कर रहें हैं। फ़िल्म पर चर्चा तब चल रही थी जब वह नए प्रोजेक्ट, राक्षस पर काम शुरू करने के लिए लोकप्रिय स्टूडियोज़ को लाने की कोशिश कर रहे थे। नई रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें पुष्पा, पुष्पा 2, उप्पेना, सरकारू वारी पाटा, कुशी और कई अन्य फिल्मों के लिए फेमस माइथ्री मूवी मेकर्स से समर्थन मिला है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म राक्षस प्रशांत सिनेमाई ब्रह्मांड से संबंधित है। निर्देशक कई पात्रों को पेश करने और उन सभी को एक अंतिम फिल्म में एक साथ लाने की योजना बना रहें हैं। बताया गया कि राक्षस की स्क्रिप्टिंग और विज़ुअलाइज़ेशन पहले ही पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि रणवीर और प्रशांत ने हनुमान जयंती के अवसर पर राक्षसों के लिए पूजा भी की थी।रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने घोषणा की कि रणवीर कियारा आडवाणी के साथ डॉन 3 के लिए शाहरुख खान की जगह लेंगे। हाल ही में खबरें सामने आई कि फरहान ने इस फिल्म को कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो उनके पास एस शंकर की एक फिल्म है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह अन्नियन की रीमेक है। माना जाता है कि वह शक्तिमान पर एक फिल्म के लिए बातचीत कर रहें हैं। उनकी अगली फिल्म रोहित शेट्टी के साथ सिंघम अगेन है।

हंसते क्यों नहीं हैं सुनील नरेन? खिलाड़ियों ने खोले हैरानी भरे राज

, नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में जमकर धमाल मचा रही है। ये टीम इस समय प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर काबिज है। आईपीएल –2024 में इस टीम की सफलता का एक बड़ा कारण सुनील नरेन का शानदार खेल है।

नरेन ने न सिर्फ अपनी गेंदबाजी बल्कि अपनी बल्लेबाजी से कोहराम मचा रखा। आलम ये है कि इस साल जितना बल्लेबाज उनसे डर रहे हैं उससे ज्यादा गेंदबाज नरेन से कांप रहे हैं क्योंकि वह खूंखार बल्लेबाजी कर रहे हैं। लेकिन इस सीजन भी नरेन के अंदर एक चीज नहीं बदली है और वो हैं उनका हंसना मना है वाला अंदाज।हालात चाहे जैसे हों नरेन के चेहरे पर हंसी नहीं आती। चाहे टीम जीत रही हो या हार रही हो, नरेन का प्रदर्शन अच्छा हो या खराब हो। उनके चेहरे के हाव भाव एक जैसे ही रहते हैं। उनके चेहरे पर कभी हंसी दिखाई नहीं देती। वह एक ही भाव चेहरे पर रखते हैं जो काफी गंभीर होता है। अब उनकी टीम के साथियों ने नरेन के भाव हीन चेहरे को लेकर अपनी बात रखी है।

वीडियो में किया खुलासा

आईपीएल ने अपने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ियों ने नरेन के न हंसने और बिना हाव–भाव चेहरे को लेकर अपनी बात रखी है। नरेन के साथ इस सीजन केकेआर के लिए ओपनिंग की जिम्मेदारी निभाने वाले फिल सॉल्ट ने कहा है, "वह काफी पहुंचे हुए हैं। काफी चिल्ल रहते हैं। वह क्रिकेट को पसंद करते हैं। वह एक खिलाड़ी में दो हैं।"वेस्टइंडीज के ही आंद्रे रसेल ने नरेन के साथ काफी समय बिताया है। वह नेशनल टीम में भी उनके साथ थे और कोलकाता टीम में भी उनके साथ हैं। रसेल ने नरेन को लेकर कहा, "वह 500 मैच खेल चुके हैं। जब आप काफी सारे मैच खेलते हैं तो काफी जल्दी उत्साहित नहीं होते हैं।"

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर करतम भुगतम का टीजर हुआ रिलीज

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का दमदार टीजर जारी हो चुका है। यह फिल्म कर्म और भाग्य की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। दिलचस्प टीजर एक ऐसी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां मानव मनोविज्ञान ज्योतिष के रहस्यों से टकराता है। कर्तम भुगतम कर्म के जटिल जाल में उतरता है, इस शाश्वत सत्य की खोज करता है कि कर्मों के परिणाम होते हैं।

टीजर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो सदियों पुरानी सच्चाई की पड़ताल करती है, हर कार्य का एक परिणाम होता है। टीजर में पात्रों के जीवन की झलकियां, गहरे रहस्यों और छिपी हुई प्रेरणाओं की ओर इशारा किया गया है। टीजर में विजय राज कर्म और उसके फल के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो होना है वो होकर रहेगा। जन्म, मृत्यु सब लिखी होती है, जो किया वो कर्म है, जो कर रहा है, वो धर्म है और जो होगा, वो कर्तम भुगतम।

ज्योतिष और कर्म के प्राचीन सार्वभौमिक सत्यों को जोड़ते हुए फिल्म यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे हर काम के कुछ निश्चित परिणाम होते हैं, जैसी कि सदियों पुरानी हिंदी कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे। काल और लक जैसी फिल्में बना चुके सोहम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। श्रेयस के अलावा फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे। मेकर्स का दावा है कि कर्तम भुगतम एक ऐसी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक अपनी सीटों से बांधे रखेगी।

यह फिल्म 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट की ओर से किया गया है।

आयुष शर्मा की रुसलान ने छूआ 4 करोड़ रुपये का आंकड़ा

अभिनेता आयुष शर्मा की फिल्म रुसलान से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आ रही हैं।एक्शन से भरपूर यह फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई। फिल्म की दैनिक कमाई शुरुआत से लाखों में सिमटी हुई है।रुसलान ने 7 दिन बाद टिकट खिड़की पर 4 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूआ है।आइए जानते हैं फिल्म ने सातवें दिन कितने लाख रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, रुसलान ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी गुरुवार को 29 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 4 करोड़ रुपये हो गया है।

श्रीसंत के एक झूठ ने बदल दी संजू सैमसन की किस्मत

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने खुलासा किया कि भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत के एक झूठ से मेरी किस्मत बदल गई। सैमसन ने बताया कि श्रीसंत ने आईपीएल के एक मैच के दौरान श्रीसंत ने राहुल द्रविड़ के सामने उनके बारे झूठ बोला था, जिसके बाद संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स में शामिल कर लिया गया था। दरअसल, संजू सैमसन का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह अपने इंटरव्यू के दौरान एस श्रीसंत द्वारा राहुल द्रविड़ के सामने बोले गए झूठ का खुलासा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। संजू सैमसन ने बताया कि श्रीसंत ने राहुल द्रविड़ के सामने उनकी झूठी तारीफ की थी, इसके बाद उन्हें राजस्थान रॉयल्स में शामिल कर लिया गया था।

संजू सैमसन ने सुनाई पुरानी कहानी

संजू सैमसन ने कहा, केकेआर में जब मैं था तो उतने मौके नहीं मिल रहे थे। हमारा एक मैच राजस्थान रॉयल्स के साथ था। तब राहुल द्रविड़ टीम के कप्तान थे, होटल की लॉबी में श्रीसंत ने राहुल द्रविड़ को रोक लिया और मेरे बारे में बात की। श्रीसंत ने राहुल द्रविड़ से कहा केरल का एक बच्चा है जिसने एक स्थानीय टूर्नामेंट में एक ओवर में छह छक्के लगाए हैं। हमें उस लड़का ट्रायल लेना चाहिए। इस पर राहुल द्रविड़ ने कहा अगले साल जरूर ट्राई करेंगे।

श्रीसंत भी कर चुके हैं इसकी पुष्टि

गौरतलब हो कि एक इंटरव्यू के दौरान श्रीसंत ने भी इस बात की पुष्टि की थी। राहुल द्रविड़ ने केरल के इस खिलाड़ी को निखारा। संजू सैमसन ने केकेआर के साथ अपना आईपीएल डेब्यू किया था। साल 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के साथ जुड़े। संजू सैमसन ने दो साल दिल्ली के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेली।

गड्ढे में खो गई पार्किंग, शहर में बिगड़ रही व्यवस्थाएं

कोटद्वार शहर में आधुनिक बस अड्डे के नाम पर मोटर नगर में खोदा गया गड्ढा

दशकों बाद भी आधुनिक बस अड्डा निर्माण के नाम पर नजर आ रहा गड्ढा
शहर में व्यवस्थाओं के कारण आए दिन बनी रहती है जाम की स्थिति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार के मोटरनगर में आधुनिक बस अड्डे के नाम पर दशकों बाद भी केवल एक गड्ढा ही नजर आ रहा है। नतीजा शहर में लगातार यातायात व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है।

जाम के झाम से आमजन परेशान हो रहा है। दरअसल, वर्ष 2010-11 में मोटर नगर स्थित खाली पड़ी भूमि पर आधुनिक बस अड्डा और पार्किंग का निर्माण होना था, लेकिन कई वर्ष बाद भी निर्माण के नाम पर वहां एक बड़े गड्ढे के सिवाय कुछ नजर नहीं आ रहा है। शहर में बदहाल हो रही पार्किंग व्यवस्था की नगर निगम व स्थानीय प्रशासन सुध नहीं ले रहा।

शहर में पार्किंग की व्यवस्था करना नगर निगम की जिम्मेदारी है। लेकिन, नगर निगम की ओर से इस संबंध में आज तक शायद ही कोई कवायद की गई हो। हालात यह है कि मोटर नगर स्थित नगर निगम की भूमि पर हुआ गड्ढा आज भी क्षेत्र की जनता को मुंह चिढ़ा रहा है। बताना जरूरी है कि नगर पालिका कार्यकाल में 2010-11 में मोटर नगर की भूमि आधुनिक बस अड्डा निर्माण के लिए एक निजी संस्था को सौंप दी गई थी। बस अड्डा तो आज तक बना नहीं, लेकिन संस्था बस अड्डे के नाम पर एक गड्ढा क्षेत्र की जनता को दे गई।

यह है पूरा मामला

नियमानुसार मार्च 2015 तक बस अड्डे का निर्माण पूर्ण कर नगर पालिका को सौंपा जाना था। करार होने के छह माह बाद तक नगर पालिका ने मोटर नगर का भू-उपयोग परिवर्तित नहीं किया। निर्माण के करीब छह माह बाद भू-उपयोग तो परिवर्तित हो गया। लेकिन, जिस स्थान पर बस अड्डे का निर्माण होना था, वहां पहले से ही दुकानें मौजूद थीं, जिस कारण मसला फिर लटक गया। इसके बाद भी नगर पालिका ने तय शर्तों के अनुसार मोटर नगर की पूरी भूमि खाली करवा कर संस्था को नहीं सौंपी। नतीजा, बस अड्डे का निर्माण अधर में लटक गया और यही स्थिति आज भी बरकरार है।

यह है समस्या

शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण यातायात व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। बाजार आने वाले वाहन चालक अपने वाहनों को सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। जिससे कई बार दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है। शहरवासी कई बार नगर निगम व प्रशासन से पार्किंग स्थल बनाने की भी मांग उठा चुके हैं।

रंग नहीं लाई योजनाएं

मोटर नगर में बस अड्डे के नाम पर हुए गड्ढे को भरने में नाकाम नगर निगम ने कई बार पार्किंग स्थलों का चयन किया। लेकिन, यह स्थान केवल चयनित होकर ही रह गए। कुछ वर्ष पूर्व नगर निगम ने निजी वाहनों के साथ ही सवारी वाहनों के लिए देवी रोड पशु चिकित्सालय के समीप खली पड़ी अपनी भूमि पर पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय लिया था। लेकिन, यह योजना भी ठंडी पड़ गई। वहीं, शहर में अतिक्रमण हटने के बाद निगम ने सड़क व राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पार्किंग स्थल बनाने की बात कही। लेकिन, यह योजना भी धरातल पर कहीं नजर नहीं आई।

हॉस्टल की सुरक्षा के लिए उठाएंगें आवश्यक कदम : डीएम

डीएम ने किया खेल विभाग हॉस्टल का निरीक्षण

डीएम डॉ. आशीष चौहान खेल विभाग के अधिकारी से जानकारी लेते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय के पास के जंगलों में लगी वनाग्नि के कारण गत दिवस खेल विभाग के हॉस्टल का एक कमरा आग की चपेट में आने के कारण कमरे में रखे स्पोर्ट्स सामग्री व जरूरी दस्तावेज जल गये थे। वनाग्नि के कारण हॉस्टल के कमरे व इसमें रखी सामग्री को हुए नुकसान का जायजा लेने जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान द्वारा घटना स्थल का मौका-मुआयना किया गया। इस दौरान उन्होंने खेल विभाग के अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इस घटना को गंभीरता से लिया गया है, हॉस्टल की सुरक्षा के संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आग की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त सामान की शीघ्र भरपाई की जायेगी।

बीते रविवार को मुख्यालय स्थित टेका जंगल में लगी आग खेल विभाग के हॉस्टल तक पहुंच गई और एक कमरे में रखे बच्चों के सामान जल कर राख हो गया। इस दौरान तत्काल फायर टीम, खेल विभाग के कर्मचारियों व स्थानीय लोग पहुंचे और आग पर काबू पाया। जिलाधिकारी ने हॉस्टल का निरीक्षण करते हुए खेल अधिकारी को कमरे में बच्चों का खेल सामग्री व अन्य दस्तावेज जो आग से जलकर राख हुआ है उसकी रिपोर्ट बनाते हुए प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खेल के सामान की जो भी क्षति पहुंची है, उसकी पूरी भरपाई की जायेगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने छात्रावास में रह रहे बच्चों से मुलाकात करते हुए उनको आवश्यक सहायता का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने आमजनमानस से अपील करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में वनाग्नि की घटना होती है उसकी सूचना तत्काल कंट्रोल रूम-18001804141 या किसी अधिकारी को दें। जिससे उस क्षेत्र की वनाग्नि घटनाओं को रोका जा सकेगा। कहा कि वनाग्नि घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर जन-सहभागिता महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान खेल अधिकारी संदीप डुकलान सहित अन्य उपस्थित थे।

महाविद्यालय में अव्यवस्थाओं का अंबार, जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अव्यवस्थाओं का अंबार बना हुआ है। हालत यह है कि विद्यार्थियों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। छात्रों ने पेयजल सहित शौचालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की है।

छात्रा खुशबू व भूमिका राणा ने बताया कि बालिकाओं के लिए बने शौचालय में लंबे समय से गंदगी से फैली है जिससे परिसर में दुर्गंध फैली रहती है। पानी नहीं आता है। यहां सफाई की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। कहा कि शौचालयों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर कई बार कॉलेज प्रशासन से शिकायत की गई लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल ने बताया कि परिसर का वाटर कूलर भी कई दिनों से खराब पड़ा है। वहीं प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार ने बताया कि सफाई कर्मियों को शौचालयों की सुबह-शाम नियमित रूप से सफाई करने के कड़े निर्देश दे दिए गए हैं। साथ ही वाटर कूलर दुरुस्त करने को लेकर संबंधित को तत्काल तकनीकी खामी दूर कर पेयजल आपूर्ति सुचारु करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवारा गोवंशों से निजात की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : किसान नेता पातीराम ध्यानी ने शहर में लगातार बढ़ रहे गोवंशों के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि आवारा पशु आए दिन काश्तकारों की खेती को बर्बाद कर रहे हैं। जिससे काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

समस्या के सबंध में उन्होंने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। बताया कि शहर में पिछले कई माह से आवारा गोवंशों की संख्या बढ़ती जा रही है। रात के समय यह गोवंश काश्तकारों के खेतों में घुसकर फसल को चट कर देते हैं। ऐसे में काश्तकार रात के समय खेती की रखवाली के लिए मजबूर हो रहे हैं। वहीं, यह आवारा गोवंश सड़कों पर चलने वाले लोगों के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं। कहा कि शासन-प्रशासन को गोवंश संरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

सड़क पर पलटा शादी का वाहन, पांच लोग घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली क्षेत्र के अंतर्गत मैटाकुंड के समीप एक शादी का वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना में वाहन सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों को हंस फाउंडेशन अस्पताल सतपुली में लाया गया।घटना दोपहर 12 बजे की है। बंदूण दुधारखाल से बाजार मलेठी पाटीसैंण आई हुई थी। पाटीसैंण से वापसी के दौरान बारात में शामिल एक वाहन राजकीय इंटर कालेज मैटाकुंड के पास अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटा और पहाड़ी से टकरा गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया। उपनिरीक्षक सोहर लाल ने बताया कि दुर्घटना में बंदूण निवासी चालक वीरेंद्र सिंह, अमन रावत, कांता प्रसाद खंतवाल, पंकज, मनिंदर, वीरेंद्र सिंह घायल हो गए थे।

एएचटीयू ने 55 बच्चों को शिक्षा से जोड़ा, विद्यालयों में करवाया प्रवेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ऑपरेशन मुक्ति के तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने 55 बच्चों का विद्यालयों में प्रवेश करवाया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की। कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

सड़कों पर भीख मांगने के साथ ही प्रतिष्ठानों में काम करने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए पुलिस की ओर से आपरेशन मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

इसके तहत पुलिस बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक जया बलोनी ने बाताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए एएचटीयू की विशेष टीम गठित की गई है। इसके तहत अब तक 55 बच्चों का विभिन्न सरकारी विद्यालयों में प्रवेश करवाया जा चुका है। कहा कि इन बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलें इसकी जिम्मेदारी पुलिस ने उठाई है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को स्कूल ड्रेस, स्कूल बैग, जूते, किताबें, स्टेशनरी आदि शैक्षणिक सामग्री वितरित की।

कोटद्वार में बच्चों को शैक्षणिक सामग्री देते एएसपी जया बलोनी

बैकअप के तौर पर इस्तेमाल होगी अगस्त्यमुनि पार्किंग

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा के दौरान पर्यटकों एवं स्थानीय जनता की सुविधा के लिए इस वर्ष कई नए प्रयास किए जा रहे हैं।

यात्रा मार्ग में जाम की स्थिति न हो इसके लिए विशेष रणनीति जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने मिलकर तैयार की है।

उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ने बताया कि यात्रा के दौरान अगस्त्यमुनि मैदान को बैकअप पार्किंग के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। बताया कि सोनप्रयाग एवं सीतापुर में संचालित होने वाली मुख्य पार्किंग का इस्तेमाल यथावत होता रहेगा, लेकिन दोनों पार्किंग की भारी वाहनों की क्षमता पूर्ण होने के बाद ही अगस्त्यमुनि पार्किंग का इस्तेमाल किया जाएगा।

विद्यार्थियों को दी अपार आईडी बनाने की जानकारी

पब्लिक इण्टर कॉलेज सुरखेत में आयोजित की गई कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

कोटद्वार : पब्लिक इण्टर कॉलेज सुरखेत में विद्यार्थियों को विशेष पहचान प्रणाली से जोड़ने हेतु आयोजित कार्यशाला में अपार आईडी बनाने की जानकारी दी गयी। अपार कार्यशाला में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय क्रेडिट एवं योग्यता फ्रेमवर्क के अनुसार देश में सभी विद्यार्थियों के लिए एक विशेष पहचान प्रणाली आटोमेटेड परमानेंट ऐकेडेमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) डिजाइन की गयी है। अपार आईडी का उद्देश्य प्रत्येक छात्र को 12 अंकों का स्थाई पहचान नम्बर प्रदान करना है जिसमें उसकी सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धियों को एक ही स्थान पर समेकित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर ट्रेकिंग सुविधा से जोड़ना है। अपार को एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडट से लिंक किया जा सकता है। अपार में पंजीकरण के लिए विद्यार्थी को अपार वेबसाइट पर जाकर लॉगइन करना है। जानकारी के आधार पर उसका आधार नम्बर उपयोग करके सत्यापित किया जायेगा। कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएम से मिले पेयजल किल्लत से आक्रोशित ग्रामीण

श्रीनगर गढ़वाल : प्रतापनगर के उपली रमोली पट्टी के गरवांण गांव और खंभाखाल के लोग सोमवार को पेयजल किल्लत को लेकर डीएम मयूर दीक्षित से मिले। डीएम ने सात माह से बदहाल बनी पेयजल समस्या को लेकर रोष जाहिर किया। ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द आपूर्ति सुचारु नहीं की गई तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे।सोमवार को गरवांण गांव और खंभाखाल के लोग जिला पंचायत सदस्य रेखा असवाल के नेतृत्व में डीएम दीक्षित से मिले। ग्रामीणों ने बताया कि वो बीते सात माह से पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। गांव की महिलाएं गांव से दूर किमी. दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। स्रोत पर घंटों इंतजार कर पानी मिल पा रहा है। बताया कि हमारे गांव बीते 40 साल से डांगी पेयजल योजना से पानी लेते आ रहे हैं। जब से जल जीवन मिशन के तहत योजना से छेड़छाड़ कर हुई है तब से उनके गांव में पानी की भारी किल्लत हो गई है। जल संस्थान व हंस फांउडेशन के कर्मी आलाधिकारियों को गुमराह करने के लिए झुठे फोटाग्राफस जारी कर बताया कि लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

विज्ञप्ति

भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल (पौड़ी गढ़वाल)

Website:www.gpgcjaiharikhan.ac.in, e-mail: principal_lanswone@rediffmail.com

कैन्टीन संचालन हेतु निविदा आमंत्रण

सत्र 2024-25 हेतु कैन्टीन संचालन के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदा दाता अपने आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत कर कार्यालय से निविदा प्रपत्र शुल्क रूपये 100=00 (रूपये एक सौ मात्र) में दिनांक 13.05.2024 तक प्रत्येक कार्य दिवस में 10:30 बजे से 04:00 बजे तक प्राप्त कर सकते है। कैन्टीन संचालित किये जाने से सम्बन्धित समस्त सूचना, निविदा आवेदन प्रपत्र के साथ प्राप्त की जा सकती है। उक्त हेतु स्थानीय अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी।

प्राचार्य
भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जयहरीखाल (पौड़ी गढ़वाल)

हाईस्कूल में सुयश ने किया टॉप

श्रीनगर गढ़वाल : सोमवार को आईसीएसई बोर्ड के हाईस्कूल और आईएससी की इंटरमीडिएट परीक्षा के रिजल्ट घोषित होने के बाद नगर क्षेत्र के सेंट थेरेसा कान्वेंट स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। छात्र सुयश बलूनी ने हाईस्कूल परीक्षा में 96 .6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान, अरहान उमैर ने 95 .8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान, याशिका रावत ने 95 .8 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। (एजेंसी)

कृषि भूमि में पराली जलाने पर लगा प्रतिबंध

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : वनों में आग लगाने वालों के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट हिमांशु खुराना ने इस संबंध में तत्काल प्रभाव से यह आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगा। चमोली जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में जनसामान्य और उनके निकट वन क्षेत्रों में फैल रही भीषण वनाग्नि की घटनाओं से जन-धन के साथ वन्य जीवों एवं वन सम्पदा व पशुचारा की भारी क्षति हो रही है। प्रथम दृष्टया वन क्षेत्रों में वनाग्नि का एक मुख्य कारण कृषि भूमि में खेतों की सफाई से उत्पन्न मलवा, ढेर (ऑडा) तथा वन क्षेत्र के निकट असुरक्षित ढंग से कूड़े को जलाया जाना एवं विभिन्न मार्गों पर धूम्रपान सामग्री, अन्य ज्वलनशील सामग्री का अनुचित निस्तारण, लापरवाही पूर्वक सड़क, वन क्षेत्र में फेंके जाने से इस प्रकार की घटनायें घटित हो रही है। जिससे वन सम्पदा, वन्य जीव, पशुचारा और पर्यावरण को भारी क्षति हो रही है तथा जन जीवन को भारी खतरा उत्पन्न हो गया है। वनाग्नि की रोकथाम एवं वनों की सुरक्षा हेतु नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, जिला पंचायत, वन में और उसके निकटतम क्षेत्रान्तर्गत किसी भी व्यक्ति द्वारा कूड़ा व अन्य अपशिष्ट पदार्थों एवं कृषि भूमि में पराली जलाना पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट चमोली हिमांशु खुराना ने समस्त जनपद वासियों को इस आदेश/नोटिस के माध्यम से निर्देशित/सूचित किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति/संस्था/विभाग खुले में आगजनी करते हुए पाया जाता है अथवा किसी भी व्यक्ति/संस्था एवं विभाग की लापरवाही एवं असुरक्षा के कारण कोई आगजनी होती है ।

यौन शोषण की घटना पर आक्रोश, गिरफ्तारी की उठाई मांग

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देती कांग्रेस कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कर्नाटक में महिलाओं के साथ हुए यौन शोषण की घटना पर जिला महिला कांग्रेस कमेटी ने आक्रोश व्यक्त किया है। कहा कि आरोपी नेता प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ सख्ती कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस देश में महिलाओं का उत्पीड़न किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी।

सोमवार को महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। बताया कि भाजपा राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। कर्नाटक के नेता प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो इस बात की पुष्टि करते हैं। उन्होंने सरकार पर प्रज्वल रेवन्ना को बचाने का भी आरोप लगाया। कहा कि प्रज्वल रेवन्ना ने घिनौना कृत्य कर महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ कर अपनी मानसिकता का परिचय दिया है। यौन शोषण की घटना को अंजाम देकर प्रज्वल रेवन्ना विदेश भाग गया है। यौन शोषण की घटना से महिलाओं में भय का माहौल बना हुआ है। देश की राष्ट्रपति से आरोपित सांसद को भारत लाने की मांग की है। साथ ही यौन शोषण की शिकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में रंजना रावत, सुधा असवाल, ममता असवाल, नीलम रावत शामिल रहे।

परिवार को स्थापित करने की लड़ाई लड़ रहा है घमंडिया गठबंधन : महाराज

बोले मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में राज्य के विकास को दिये 10 लाख करोड़

देहरादून/सिकंदराबाद (तेलंगाना) : मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370, 35ए हटाकर ऐतिहासिक और सहासिक कदम उठाया। जम्मू कश्मीर में 170 कानून जो पहले लागू नहीं थे उन्हें लागू कर दिया। कश्मीर में पंचायत चुनाव सफलता से सम्पन्न हुए। आतंकवाद खत्म हुआ और वहां शान्ति बनी हुई है। अयोध्या विवाद का भी मोदी सरकार में ही हल संभव हुआ और वहां पर भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई, मेक इन इंडिया की शुरुआत की गई। इसके अलावा मोदी सरकार ने जनधन योजना, पीएम गरीब कल्याण योजना, वंदे भारत ट्रेन, 80 नए एयरपोर्ट तऔर संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ देश के लोगों को नए संसद भवन की भी सौगात दी।

उक्त बात भाजपा के स्टार प्रचारक और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने तेलंगाना स्थित सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी के समर्थन में सोमवार को आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने पीएम मोदी की विकास योजनाओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े फैसले लेने की सराहना करते हुए कहा कि घमंडिया गबंधन देश को बांटने और परिवार को राजनीति में स्थापित करने की लड़ाई लड़ रहा है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को शक्तिशाली और समृद्ध बनाने के लिए दिन रात काम कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक जोड़ने का काम किया। पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में देश का गौरव बढ़ा है। श्री महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि तेलंगाना में भारत सरकार की अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं को या तो लागू नहीं किया गया या फिर उन्हें लागू करने में देरी की गई।

एक नजर

सभी धामों में तीर्थ सुधार नियमावली लागू की जाए

देहरादून। भैरव सेना ने सभी तीर्थ धामों में पंचगव्य आचमन की अनिवार्यता और तीर्थ सुधार नियमावली–1924 लागू करने की मांग पर सोमवार को कचहरी में प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। भैरव सैना कार्यकर्ता कार्यकारी जिला अध्यक्ष गणेश जोशी के नेतृत्व में कचहरी पहुंचे। यहां केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि संगठन की ओर से 27 अप्रैल से दो मई तक पंचम पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा कराई गई। यात्रा का तीर्थ–पुरोहितों और हक–हकूकधारियों ने पूर समर्थन किया। पंचगव्य आचमन सभी तीर्थक्षेत्र के प्रवेश द्वारों पर अनिवार्य करने और तीर्थ सुधार नियमावली–1924 को लागू किए जाने के मांग पत्र पर तीर्थ–पुरोहितों ने हस्ताक्षर किए हैं। वो चाहते हैं कि तीर्थटन तो बढ़े, लेकिन पर्यटन के रूप में नहीं। उन्होंने कहा कि देवभूमि को देवभूमि ही रहने दिया जाए, इसे हनीमून स्थल न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि असमाजिक तत्वों की वजह से देवभूमि की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष अनिता थापा ने कहा कि सरकार को देवभूमि की पौराणिक सनातन संस्कृति को बचाने के लिए शीघ्र इस दिशा में शासनादेश जारी करना चाहिए। मौके पर प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष करण शर्मा, काजल चौहान, अंशु राजपूत, सौरभ पारछा, सतीश जोशी, हेमंत सकलानी, आशीष, अमन, संजय काचरू, अनिल घनशाला आदि मौजूद थे।

निकाय चुनाव में मतदान स्थल बदलने को डीएम से मिले

देहरादून। हरभजवाला सुधार समिति ने निकाय चुनाव के लिए, मतदान स्थल बदलने की मांग की है। उन्होंने इसे लेकर जिलाधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा है। समिति के सदस्यों ने सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचकर बताया कि निकाय चुनाव के लिए हरभजवाला से चार किमी. दूर मेहूंवाला में मतदान स्थल बनाया गया है। ऐसे में कम मतदाता वोट देने पहुंच पाएंगे। साथ ही लोगों को परेशानी भी होगी। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज मेहूंवाला के बजाए हरभजवाला में ही मतदान केंद्र रखे जाने की मांग डीएम के सामने रखी। ज्ञापन देने वालों में नरेंद्र सिंह कुंवर, जयप्रकाश यादव, सतीश मनूड़ी, गोविंद सिंह नेगी, राकेश गौड़ समेत अन्य मौजूद रहे।

इंदिरा मार्केट का काम समय से पूरा नहीं करने वालों पर हो कार्रवाई

देहरादून। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। जिसके जरिये इंदिरा मार्केट रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के कार्य में ढिलाई बरतने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपने के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह को अवगत करवाया कि करीब 242 करोड़ की लागत से प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण योजना का काम धीमी गति से चल रहा है। जबकि अब तक पहले चरण का काम पूरा हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में तेजी नहीं आई तो मजबूरन आंदोलन शुरू करेंगे। सचिव सीपीआईएम देहरादून अनंत आकाश ने कहा कि अब तक दिन योजना का काम ठप हो रहा है। एमडीडीए के अधिकारियों को पहले भी कई बार इस बारे में अवगत करवाया जा चुका है। लेकिन ठीक से मॉनीटरिंग नहीं होने के कारण काम में ढिलाई हो रही है। जिन व्यापारियों और अन्य लोगों को शिफ्ट किया गया है। उन्होंने सुविधाओं के अभाव कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जिला समाज कल्याण ऑफिस में प्रदर्शन किया

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने आश्रम पद्धति विद्यालयों में अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रवेश नहीं दिए जाने के विरोध में सोमवार को जिला समाज कल्याण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत और प्रदेश संगठन सचिव सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि जौनसार के चकराता क्षेत्र में आश्रम पद्धति विद्यालय में अनुसूचित जाति के बच्चों को प्रवेश दिये जाने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रदेश सरकार शीघ्र कार्रवाई करे। ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी। मौके पर प्रमोद डोभाल, सुरेंद्र चौहान, शैलबाला ममगाईं, संजय तितोरिया, पदमा रौतेला, प्रवीन कुमार, सुरेश पाल, रजनी, रिंकी कुकरेती, राजेंद्र गुसाईं, दीपा राणा, रंजना नेगी, रजनी थपलियाल आदि मौजूद थे।

वर्षा जल संरक्षण के लिए विभागीय स्तर पर लक्ष्य निर्धारित करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : प्राकृतिक जल स्रोत नौले-धारे और नदियों के जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने सोमवार को जिला स्तरीय सतत जल प्रबंधन कार्यक्रम और कैच द रैन कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि सभी के सुझाव लेकर जल स्रोत एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के अनुरूप जल संरक्षण कार्यों का क्रियान्वयन किया जाए। ताकि प्राकृतिक जल स्रोत नोले-धारे और नदियों का चिरस्थाई प्रवाह बना रहे। वर्षा जल संरक्षण के लिए भी विभागीय स्तर पर लक्ष्य निर्धारण करते हुए सघन वृक्षारोपण, खंती, चाल-खाल, चेकडैम एवं अन्य जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण किया जाए।

डीएम ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए एकीकृत योजना के साथ जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करना सुनिश्चित करें। कृषि, उद्यान, सिंचाई, मत्स्य एवं अन्य विभाग और जल सर्वधन कार्यों से जुड़े स्वयं सेवी संस्थाओं और स्थानीय लोगों को भी इसमें शामिल किया जाए। परियोजना निदेशक आनंद सिंह ने बताया कि स्प्रिंगशेड एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा) के अंतर्गत जिला स्तर पर प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संस्थान को नोडल विभाग बनाया गया है। जल संस्थान द्वारा इसकी कार्य योजना तैयार की गई है। जल संस्थान, जल निगम, सिंचाई, वन एवं अन्य विभागों के सहयोग से प्रत्येक विकासखंड में 10-10 प्राकृतिक जल स्रोतों के संवर्धन हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है। कैच द रैन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में इस वर्ष 10.68 लाख प्लांटेशन, 1.43 लाख ट्रेंच निर्माण, 1351 चाल–खाल, 4752 चेकडैम एवं 936 अन्य जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी वीपी मौर्य, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह, ईई जल निगम वीके जैन, ईई जल संस्थान एसके श्रीवास्तव सहित वर्चुअल माध्यम से सभी विकासखंड अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी मौजूद थे।

हाईस्कूल में प्रणय और इंटर में रूशिल ने किया टॉप

नई टिहरी : आईसीएसई (कक्षा 10) तथा आईएससी कक्षा 12 के घोषित परीक्षा परिणामों में चंबा के कार्मल स्कूल में कक्षा 10 में सभी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें 97.8 प्रतिशत के साथ प्रणय जुयाल ने स्कूल के साथ-साथ जिले में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान पर अदिति नेगी ने 96.4 प्रतिशत तथा आयुष चमोली ने 95.2 के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

इसके साथ ही 16 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। जबकि कक्षा 12 में भी विज्ञान विषय में प्रथम स्थान रुशील गरगश 96 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। वैभवी थपलियाल ने 92.5 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर तथा तृतीय स्थान शिवांगी चौहान ने 92.5 प्रतिशत के साथ प्राप्त किया है। साथ ही 12वीं में 7 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।। वाणिज्य में भी क्रमश : प्रथम अनुभव कोठरी, द्वितीय संध्या भूषण तथा साकेत चंद रमोला तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर बिनो जॉनी और प्रबंधक फादर थॉमस ने सभी छात्र-छात्राओं, अध्यापकों तथा अभिभावकों को शुभकामनाएं दी हैं। सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।(एजेंसी)

यात्रा में लगे पीआरडी जवानों की सेहत का रखा जाएगा विशेष ध्यान

जिला प्रशासन पीआरडी जवानों को उपलब्ध कराएगा राशन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा में तत्परता से ड्यूटी करने वाले पीआरडी जवानों की सेहत का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस वर्ष पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुने लोगों की ड्यूटी यात्रा मैनेजमेंट में लगायी जा रही है। जिससे जवान यात्रा में सुगमता से ड्यूटी कर सकें एवं उनकी सेहत भी ठीक रहे। श्री केदारनाथ धाम यात्रा के सफल संपादन के लिए इस वर्ष जिला प्रशासन द्वारा कई अभिनव पहल की जा रही हैं। यात्रा मार्ग पर मुस्तैदी से ड्यूटी करने वाले पीआरडी जवानों के लिए विशेष पहल करते हुए उनकी ड्यूटी में सुधार किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने बताया कि पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुने पीआरडी जवानों की ड्यूटी यात्रा में लगायी जा रही है। जहां पिछले साल यात्रा के दौरान 50 से आसपास ही पीआरडी जवान यात्रा मैनेजमेंट का हिस्सा होते थे इस वर्ष 90 से 95 जवानों को यात्रा मैनेजमेंट में लगाया जा रहा है। इससे जवानों की ड्यूटी रोटेशन में लगायी जा सकेगी। ताकि ड्यूटी के दौरान उन्हें आराम मिल सके। इसके अलावा प्रशासन की तरफ से इन्हें राशन भी उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि खाने की कोई समस्या न हो इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी संभालेंगे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवाड ने बताया कि गौरीकुंड से श्री केदारनाथ धाम तक पैदल यात्रा मार्ग को सात पड़ावों में बांटा गया है।

हर पड़ाव पर समान्य ड्यूटी के लिए पीआरडी के 06 एवं रेस्क्यू एवं अन्य कार्यों के लिए डीडीआरएफ के 06 जवान तैनात होंगे।

एपीसीसीएफ ने किया वनाग्नि सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण

नई टिहरी : एपीसीसीएफ (फायर) निशांत वर्मा ने सोमवार को माणिकनाथ रेंज के कौड़ियाला और भदनी के जंगलो में फैल रही आग का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस मौके पर एपीसीसीएफ ने वन विभाग टीम को तत्काल आग पर काबू करने के निर्देश दिये।

देवप्रयाग क्षेत्र के जंगलों में लगातार आग का तांडव जारी है। इसको लेकर वन विभाग के उच्चाधिकारी यहां अग्नि सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण करने मौके पर पहुंचे। वनाग्नि और आपदा प्रबंधन प्रमुख निशांत वर्मा व डीएफओ नरेंद्रनगर जीवन मोहन दगड़े ने यहां माणिकनाथ रेंज के कौड़ियाला, देवप्रयाग, कांडाधार, भदनी आदि क्षेत्रों में लगी आग का निरीक्षण किया। उन्होंने रेंजर माणिकनाथ रेंज मदन सिंह रावत के साथ पहुंची बीस सदस्यीय वन कर्मियों की टीम को आग को काबू करने के लिए फायर लाइन काटने व अग्निशमन यंत्रों का पूरा इस्तेमाल करने के निर्देश दिये। देवप्रयाग स्थित क्रू-स्टेशन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद वन अधिकारी देवप्रयाग-चाका मार्ग स्थित गांवो में अग्नि सुरक्षा कार्यों का जायजा लेने पहुंचे।

निगेर गांव में वन अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ जागरूकता बैठक करते हुए जंगलो में आग न लगाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से आगामी एक सप्ताह तक खेतों में आड़ा लगाना प्रतिबंधित किया गया है। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से आग को काबू करने में वन कर्मियों का सहयोग करने की अपील भी की। (एजेंसी)

महिलाएं सीखेंगी सिलाई-बुनाई और कम्प्यूटर

नई टिहरी : समूण फाउंडेशन की ओर से सोमवार को नगर पंचायत क्षेत्र बेलेश्वर में स्किल डेवलपमेंट सेंटर का शुभारंभ किया गया। सेंटर में क्षेत्र की महिलाओं को सिलाई-बुनाई तथा कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

समूण फाउंडेशन की ओर से बेलेश्वर में खोले गए स्किल डेवलपमेंट सेंटर शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा बालगंगा मंडल अध्यक्ष और निवर्तमान सभाषद कविता तिवाड़ी ने किया।

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए स्किल से सेंटर का शुभारंभ किया गया है। जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर अपनी आजीविका में सुधार कर सकेंगी।

इस मौके पर फाउंडेशन के क्षेत्रीय व्यवस्थापक विक्रम शाह, भाजपा नेता हरिकृष्ण तिवाड़ी, हर्षलाल व ट्रेनी महिलाएं उपस्थित रही। (एजेंसी)

ऑल इंडिया सैनी समाज की मुख्य और युवा कार्यकारिणी का किया विस्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

हरिद्वार : ऑल इंडिया सैनी समाज (रजि0) की जिला जिला कार्यकारिणी का विस्तार संगठन के कैंप कार्यालय 03 हनुमानपुरम फेस फर्स्ट कनखल हरिद्वार पर किया गया। इस मौके पर जनपद की मुख्य व युवा कार्यकारिणी का विस्तार जिला अध्यक्ष इंजी बी.पी. सिंह सैनी एवं युवा जिलाध्यक्ष एडवोकेट विकास सैनी (प्रधान) ने प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में कराया। सभा में 04 जिला संरक्षक, 05 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 12 उपाध्यक्ष, 10 महासचिव, 10 सचिव, 12 सहसचिव, 05 संगठन सचिव, 02 कोषाध्यक्ष की नियुक्ति की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ 103 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी जैतपुर (लक्सर) निवासी राजाराम सैनी व संचालन संगठन के जिला महामंत्री पत्रकार काशीराम सैनी ने किया। सभा को प्रदेश अध्यक्ष नरेश सिंह सैनी, महासचिव संगठन भोपाल सिंह सैनी, केन्द्रीय सचिव राजीव सैनी, प्रदेश महासचिव हेमन्त सैनी, सेवा निवृत्त तहसीलदार सुशील सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष शेष राज सैनी, सुदेश सैनी, युवा जिलाध्यक्ष एडवोकेट विकास सैनी, गन्ना समिति रूड़की के सभापति सुन्दर लाल सैनी, मीडिया प्रभारी पत्रकार संदीप सैनी, वी.के. नागयान, भारत भुषण सैनी, इंजी. बी. पी. सिंह सैनी, प्रदीप सिंह सैनी, संदीप सैनी, आदेश सैनी, डॉ. सूर्य कांत सैनी, डा. राजकुमार सैनी, मिलन सैनी, चन्दन सैनी, विनोद सैनी, साधू राम, आत्मा राम सिंह सैनी, अनित सैनी, प्रदीप सैनी, एल.पी. सिंह सैनी, संगम सैनी, प्रधान निर्भय सैनी, राजेश सैनी, पार्षद योगेन्द्र सैनी, प्रधान विक्रम सैनी, राकेश सैनी (राजस्व विभाग), अनिल सैनी, एडवोकेट विशाल सैनी, ब्रज पाल सैनी, गौरीशंकर सैनी, सुमित सैनी, ऋतिक सैनी, सुधीर सैनी, अरुण सैनी, सोरभ सैनी, आकाश सैनी, रवि सैनी, संजय सैनी, महेंद्र सैनी आदि ने सभा को संबोधित किया। सभी ने समाज को संगठित रहने व युवाओं को अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करने व सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने पर बल दिया। प्रदेश अध्यक्ष नरेश सैनी ने 09 जून 2024 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा रूड़की (उत्तराखंड) में निर्धारित होने पर जनपद से अधिक से अधिक सम्मानित साथियों को भागीदारी हेतु आह्वान किया।

फूड प्रोसेसिंग यूनिट संचालित कर आर्थिकी को मजबूत कर रही महिलाएं

ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत मिल रही आर्थिक मदद

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली में सरकार की ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना महिलाओं की मजबूत आर्थिकी का आधार बनने लगे है। परियोजना के तहत चमोली में महिलाएं फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर बेहतर आय प्राप्त कर रही हैं। जिससे महिलाएं अब घर के काम के साथ ही बेहतर आय प्राप्त कर रही हैं।

राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2021-22 में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों की स्थापना कर ग्रामीणों की आय में वृद्धि करने के लिए ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना का संचालन शुरु किया था। जिसके तहत ग्रामीणों को फूड प्रोसेसिंग, हैचरी यूनिट जैसे उद्यम को स्थापित करने के लिए अनुदान के आधार पर आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। परियोजना में उद्यम स्थापित करने की कुल लागत का 50 प्रतिशत बैंक लोन, 20 प्रतिशत लाभार्थी अंशदान तथा 30 प्रतिशत रीप परियोजना की ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण कम लागत में सुगमता से घर पर ही स्वरोजगार प्राप्त कर रहे हैं। चमोली में परियोजना के तहत पांच यूनिट स्थापित की गई हैं। जिनमें मैठाणा की अंजली डिमरी, रतूड़ा की प्रतिमा देवी और चटंग्याला की विनीता देवी फूड प्रोसेसिंग यूनिट का संचालन कर अपनी आर्थिकी मजबूत कर रही हैं। बीना तिवारी खडगोली ने बताया कि ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत संचालित योजना के माध्यम से मैने वर्ष 2023 के मई माह में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की। जिसके बाद नमकीन, अचार और मसाला बनाने का काम कर रही हूँ। जिससे घर के अन्य कामों के साथ ही यूनिट का संचालन कर करीब 10 हजार रुपये मासिक की आय हो रही है। गीता देवी मज्याणी सिमली ने बताया कि ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत वर्ष 2023 में फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिये सरकारी सहायता लेने के लिए आवेदन किया था। परियोजना में चयन के बाद मिले आर्थिक सहयोग से मैंने यूनिट की स्थापना कर वर्तमान तक 150 लीटर माल्टा व नींबू का जूस, 1 कुंतल आम, आंवला और मिक्स अचार का विपणन किया गया है। जिससे घर पर ही संचालित यूनिट से बेहतर आय प्राप्त हो रही है।

वेल्हम ब्वाइज, वेंटेज हॉल स्कूल रोलर हॉकी चैंपियन

देहरादून। डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन की ओर से रविवार को दून में आयोजित इंटर स्कूल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के रोलर हॉकी इवेंट के बालक वर्ग में वेल्हम ब्वाइज और बालिका में वेन्टेज हॉल स्कूल ओवरऑल चैंपियन बना। माउंड फोर्ट एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के 320 खिलाड़ियों ने भाग लिया। एकेडमी की प्रधानाचार्य पारुल शर्मा ने चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस दौरान अंडर 06 आयु रोलर स्केटिंग ब्वाइज में युवान चौधरी, अंडर–8 में अर्पित राणा, अंडर–10 में रेहांश, अंडर–12 में अंकुश भंडारी ने पहला स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग के अंडर–8 में सेजशी, अंडर–10 में सूर्यांशी, अंडर–12 में समृद्धि ने पहला स्थान पर रहीं। इनलाइन गर्ल्स के अंडर–6 वर्ग मं अक्षिता, अंडर–08 में मेधांशी, अंडर–12 में अनाया पहले स्थान पर रहीं।

निकाय चुनाव को लेकर सरकार की नीयत में खोटः मथुरा दत्त

देहरादून। निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी ने सोमवार को कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत में कहा कि निकाय चुनाव कराने को लेकर सरकार की नीयत में खोट है। चुनाव समय पर कराने की सरकार की मंशा ही नहीं है। सरकार निकायों की लोकतांत्रिक व्यवस्था का गला घोटना चाहती है। मथुरा दत्त जोशी ने कहा कि एक तय व्यवस्था है कि निर्वाचित प्रतिनिधि ही नए निर्वाचित प्रतिनिधि को निकायों का हस्तान्तरण करेगा।

भाजपा सरकार में हर बार इस व्यवस्था से खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रशासक बैठा कर समय निकाला जा रहा है। जब न्यायालय सख्त रुख दिखा रहे हैं, तो दिखावे भर को चुनाव की प्रक्रिया को आगे खिसकाया जा रहा है। सरकार समय पर निकाय चुनाव नहीं कराना चाहती है। इसीलिए बार बार खुद ही व्यवस्थाओं में गड़बड़ी कर समय काटा जा रहा है। पहले ओबीसी सर्वे के नाम पर समय काटा गया। अब वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का खुद ही प्रयास किया गया। ऐसे में नहीं लग रहा है कि सरकार जल्द चुनाव कराने की तैयारी में है। कहा कि भाजपा को जिस तरह लोकसभा चुनाव में जनता सबक सिखा रही है। उससे भाजपा डरी हुई है।

सरकार भ्रमण पर, चार धाम यात्रा की व्यवस्था धड़ाम

मथुरा दत्त जोशी ने चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं की तैयारियों पर भी सवाल उठाया। कहा कि चारों धामों और यात्रा रूट पर कहीं कोई तैयारी नहीं है। जबकि यात्रा में देश, विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं को आना है।

समर वैली स्कूल की छात्राओं ने मारा मैदान

देहरादून। आईएससी और आईसीएसई बोर्ड के सोमवार को घोषित नतीजों समर वैली स्कूल में छात्राएं टॉप पर रही हैं। यहां 12वीं और 10वीं दोनों में छात्रा टॉपर रही है। टॉप थ्री में कुल नौ छात्रों में छह छात्राएं शामिल हैं। 12वीं में बालावाला निवासी निया पुरोहित ने 99 फीसदी अंक हासिल किए हैं, जबकि 10वीं में नेहरू कॉलोनी निवासी अविका ध्यानी ने 99.40 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल टॉप किया है। सोमवार को बोर्ड परीक्षा नतीजे घोषित होने के साथ ही देर शाम बहादुर रोड स्थित समर वैली स्कूल में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं पहुंची थी। उन्होंने यहां एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर सफलता की बधाई दी। स्कूल के डायरेक्टर डॉ. अशोक वासु, प्रिंसिपल कर्नल राजेश पोखरियाल, एसोसिएट डायरेक्टर पारुल गोयल ने छात्रों की सफलता पर खुशी जताई। डॉ.वासू ने कहा कि समर वैली स्कूल के छात्र लगातार उत्कृष्ट परिणाम देते आए हैं और इस बार भी वह इसमें खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल न केवल अपने उच्च शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त करता है, बल्कि शिक्षण के अलावा खेल और अन्य गतिविधियों में भी छात्र भागेदारी करते आए हैं। इसमें स्कूल के छात्र दून शहर और राज्य स्तर के इंटर सकूल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करते आए हैं। बोर्ड परीक्षा में भी छात्रों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्रिंसिपल कर्नल राजेश पोखरियाल ने बताया कि 12वीं में कुल 118 छात्रों में से 47 और 10वीं में 217 में से 98 छात्रों ने 90 फीसदी से अधिक अंक हासिल किए हैं।

अहमद अध्यक्ष, लखेड़ा महासचिव बने

देहरादून में सोमवार को अखिल भारतीय केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ देहरादून संभाग के द्विवार्षिक अधिवेशन में कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसमें तहत नबील अहमद को अध्यक्ष और डीएम लखेड़ा को चौथी बार महासचिव नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकार संजय गुसाईं ने चुनाव संपन्न कराया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डीपी थपलियाल और देवेंद्र सिंह, सह सचिव मुख्यालय पीयूष निगम, उपाध्यक्ष एमके मित्तल, गजेंद्र सिंह, लेखा परीक्षक विजय कुमार शर्मा व रविश काला नियुक्त किए गए। तारा जोशी, शैलेन्द्र नेगी, संदीप सिंह, रमेश चंद, प्रिया सिंह, अर्चना कुमार, रीना अमन, आरिफ, विवेक सिंह, धर्मेंद्र सिंह को कार्यकारणी सदस्य बनाया गया।

केदारनाथ यात्रा में पुलिस, होमगार्ड और पीआरडी के 1120 जवान रहेगें तैनात

रूद्रप्रयाग : पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल ने सोमवार को केदारनाथ यात्रा में तैनात होने वाले पुलिस बल की ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्होंने समस्त पुलिस बल को अतिथि देवो भवः के भाव से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि उत्तराखंड पुलिस का मित्रता, सेवा, सुरक्षा का ध्येये पूरा हो। मौके पर पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे की मौजूद रहीं।आगामी 10 मई को शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा के सफल संचालन के लिए श्रद्धालुओं की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण व यातायात प्रबन्धन के लिए पुलिस महानिरीक्षक ने केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों से ब्रीफिंग की। एसपी द्वारा यात्रा प्लान और पुलिस की तैयारियों को लेकर जानकारी दी गई। उन्होंने वैकल्पिक मार्ग, लैंडस्लाइड एरिया की जानकारी दी। साथ ही बताया कि पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग को यातायात का नोडल व सीओ गुप्तकाशी को केदारनाथ यात्रा व्यवस्था का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। भरोसा दिलाया गया कि पुलिस यात्रा में उत्कृष्ट कार्य करेगी। एसपी ने पुलिस द्वारा जनपद में किए गए विशेष कार्यों की जानकारी भी दी। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि केदारनाथ यात्रा को देखते हुए जनपद रुद्रप्रयाग की सभी सीमाओं से लेकर जिले के सभी थाना, चौकियों, पुलिस लाइन, चेक पोस्ट आदि से लेकर केदारनाथ धाम तक 4 पुलिस उपाधीक्षक, 16 निरीक्षक, 24 उपनिरीक्षक, 14 महिला उपनिरीक्षक, 44 अपर उपनिरीक्षक, 440 मुख्य आरक्षी व आरक्षी, 64 महिला आरक्षी, 1 कम्पनी 2 प्लाटून पीएसी सहित कुल 120 कार्मिक तैनात होंगे, जबकि 6 सब टीम एसडीआरएफ कुल 48, 30 फायर कार्मिक, 7 जल पुलिस कार्मिक, 3 निरीक्षक यातायात, 5 उपनिरीक्षक यातायात, 16 मुख्य आरक्षी और आरक्षी यातायात, 60 होमगार्ड्स, 225 पीआरडी जवान सहित कुल 1120 कार्मिक तैनात किए जाएंगे। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक रुद्रप्रयाग प्रबोध कुमार घिल्डियाल, सहायक सेनानायक 46 वीं वाहिनी अविनाश वर्मा (हाल पुलिस उपाधीक्षक केदारनाथ यात्रा) प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, निरीक्षक यातायात, अभिसूचना, संचार, एसडीआरएफ, प्रभारी जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स, प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी, सहित सभी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, शाखा प्रभारी व यात्रा व्यवस्था में नियुक्त होने वाले पुलिस कर्मी मौजूद थे। (एजेंसी)

कविता लेखन में ऋषभ व एकल गीत में तुषार ने मारी बाजी

नई टिहरी : राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग का वार्षिक समारोह सोमवार को छात्र-छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने सांस्कृतिक, खेल और नमामि गंगे अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

देवप्रयाग महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक समारोह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अर्चना धपवाल ने किया। कार्यक्रम में छात्रा उन्नति शर्मा की सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के बाद ईशा, शालिनी, वंदना व काजल ने मनमोहक गढ़वाली लोकगीत नृत्य प्रस्तुत किया। कविता लेखन में प्रथम रहे ऋषभ ने अपनी विजेता कविता का पाठ किया। जबकि तुषार ने मधुर एकल गीत प्रस्तुत किया। वार्षिक उत्सव में एकल गायन विजेता तुषार, काजल व सुखदेव, एकल नृत्य में शालिनी, वंदना रावत, किरण, सामूहिक नृत्य में मनीषा व सलोनी, संजना व तानिया एवं किरण व अंकित को पुरुस्कृत किया गया। फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता में शिवानी सजवाण, चांदनी, वंदना व कविता लेखन प्रतियोगिता मे ऋषभ, गीतिका व समीक्षा को पुरस्कृत किया गया। वहीं 100 मी. दौड़ बालक वर्ग में ऋषभ नेगी, शाहिल चंद, साहिल, बालिका वर्ग में शीला, वंदना एवं काजल, 200 मी. बालक वर्ग में शाहिल चंद, प्रियांशु प्रभात, साहिल एवं बालिका वर्ग में शीला, काजल वंदना, 400 मी. बालक वर्ग में साहिल, प्रियांशु प्रभात एवं सौरभ, 800 मी. बालक वर्ग में साहिल, प्रियाशु प्रभात एवं शाहिलचंद, गोला फेंक बालक वर्ग में अरविंद सिंह, साहिल व आकाश नेगी, बालिका वर्ग में शिवानी सजवाण, काजल व शीला। चक्का फेंक बालक वर्ग में अरविंद सिंह. संदीप खवास, साहिल एवं बालिका वर्ग में काजल, शिवानी व शीला, भाला फेंक बालक वर्ग में साहिल चंद, अरविंद सिंह, साहिल व बालिका वर्ग में काजल, शिवानी एवं वंदना। लम्बी कूद बालक वर्ग में साहिल चंद, ऋषभ नेगी, शेखर रावत व बालिका वर्ग में काजल, वंदना रावत। ऊंची कूद बालक वर्ग में शेखर रावत, ऋषभ नेगी, आकाश नेगी तथा बालिका वर्ग में काजल, शीला एवं शिवानी को पुरुस्कृत किया गया। बैडमिंटन में विजेता आकाश नेगी व सौरभ सिहं उपविजेता, कैरम प्रतियोगिता बालक वर्ग में प्रियाशु विजेता व सचिन उपविजेता, बालिका वर्ग में विजेता शिवानी सजवाण विजेता व समीक्षा उपविजेता, शतरंज में गौरव विजेता व सौरभ उपविजेता सौरभ रहे। प्राचार्य ने स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। (एजेंसी)

आगजनी करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

नई टिहरी : वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं और इससे वन संपदा के हो रहे नुकसान का देखते हुए डीएम मयूर दीक्षित ने सोमवार को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कोई भी संस्था, व्यक्ति व विभाग यदि खुले में आगजनी या पराली जलाते हुए पाय गया तो उसके खिलाफ आपदा प्रबंधन की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। डीएम ने कहा कि जिला आपदा प्रबन्धन केन्द्र में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से जनसामान्य से उनके निकट वन क्षेत्रों में फैल रही भीषण वनाग्नि की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। प्रथम दृष्टया वन क्षेत्रों में वनाग्नि का एक मुख्य कारण कृषि भूमि में खेतों की सफाई से आड़े को जलाना, वन क्षेत्र के निकट असुरक्षित ढंग से कूड़े को जलाया जाना एवं विभिन्न मार्गों पर धूम्रपान सामग्री, ज्वलनशील सामग्री में लापरवाही बरतना है।

वन विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा प्रदेशः माहरा

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने वनों में लगी आग के लिए वन विभाग की लापरवाही को असल जिम्मेदार ठहराया। प्रदेश उपाध्क्ष संगठन मथुरा दत्त जोशी के हवाले से जारी बयान में सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष ने पहाड़ों को आग से बचाने को हेलीकॉप्टर से पानी का छिड़काव किए जाने की मांग की। माहरा ने कहा कि आग की घटनाएं सरकार की नाकामी को उजागर कर रही है। समय रहते कदम उठाए जाते तो ऐसे विकट हालात न पैदा होते। जबकि अब आग लगने की घटनाएं हर साल होती हैं। इसके बाद भी सरकार आपदा से निपटने को समय रहते इंतजाम करने में विफल रहती है। यही वजह है, जो आज के समय में 95 प्रतिशत जंगल जल रहे हैं। मार्च के अंतिम समय से आग लगना शुरू हो गई थी, लेकिन वन विभाग की नींद तब तक नहीं टूटी, जब तक वो दावानल न बन गई। अभी भी पूरा सिस्टम सिर्फ हाथ पर हाथ धरे बैठा है। आग लगने की इन घटनाओं से सिर्फ अमूल्य वन सम्पदा ही नष्ट नहीं हो रही है, बल्कि वन्य पशु, पेड़, वनस्पतियां, जल स्रोत और यहां तक कि ग्लेशियर भी संकट में हैं। माहरा ने कहा कि आग लगने से जान माल के नुकसान का भी खतरा पैदा हो रहा है। दूनागिरी मन्दिर के निकट जंगल में लगी आग से श्रद्धालुओं तक को अपनी जान बचानी पड़ी। एडीधूरा मन्दिर में आग से स्थानीय धर्मशाला पूरी तरह जल कर नष्ट हो गई है। वन विभाग के अधिकारी केवल देहरादून के कमरों में बैठ कर नीतियां बना रहे हैं। सरकार आग से बचाव को ठोस रणनीति बनाएं। पहले की तरह वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। जनता को जल जंगल और जमीन पर उसके अधिकार दिए जाएं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com